



जिलेट का मालांद्रीनो प्रोफेसर

अगले दिन एक फ्लैट किराए पर लेने के लिए मेरी मुलाकात तय थी। लिस्बन शहर शानदार था, पर किरायों को देखते हुए जेब के बस का नहीं, और मुझे मजबूरन राजधानी की आखिरी सरहद पर, उसके ऐतिहासिक बाहरी इलाके में जा टिकना पड़ा: अमादोरा बोर्देआ।

इलाका अपनी तरह का था, क्योंकि वह पुर्तगाली विदेशी बिरादरी का वतन था, पर वहाँ सिर्फ पुर्तगाल के नागरिक नहीं थे — कुछ घुसपैठिए भी थे, मेरी तरह।

बाप और बेटा मेरा स्वागत करने आए, पर जब मैंने घर के भीतर कदम रखा, तो उन्होंने मुझे एक बंक बेड दिखाया, जो तीन और लोगों के साथ बाँटना था, 9 वर्ग मीटर के कमरे में, एक ऐसे फ्लैट में जिसमें तीन कमरे थे, नौ लोग, एक बाथरूम, एक छोटी रसोई, तीन फ्रिज, और स्थायी मेहमानों के तौर पर तिलचट्टे — यह सब करीब 60 वर्ग मीटर के भीतर, 230 यूरो महीने में।

इसके बाद मेरे पास खाने और जीने के लिए महीने के ठीक 70 यूरो बचते थे, पर मैंने कुछ और भी समझा: मैं एक कोर्स से गुज़र रहा था, इस बात का कि गरीबों को दौलत सँभालना कैसे सीखना पड़ता है — और यह कोई नहीं सिखाता।

लड़के एक-एक करके अपना परिचय देने आए, अपना नाम और अपना मुल्क बताते हुए, और मुझे ग़ौर से देखते हुए कि मैं कैसे पेश आता हूँ, और कहीं मैं नस्लवादी तो नहीं।

मैंने हर एक को एक मुस्कान दी और उसकी अपनी ज़बान में सलाम: अंगोला, मोगादिशू, साओ टोमे, ब्राज़ील, पुर्तगाल, चीन, रूस और सऊदी अरब।

उस शाम उन्होंने मुझे अपने खाने पर बुलाया — यह मौक़ा उन्होंने मेरे स्वागत के लिए ही रखा था। मैं उस टोली में सबसे बड़ी उम्र का था, और 20 मिनट तक सबसे झिझकते हुए बात करने के बाद, मेरी नई पुर्तगाली पहचान उसी पल पैदा हो गई जब मैंने खुद को इस नाम से पुकारा जाता सुना:

मालांद्रीनो प्रोफेसर

वे सब जवान लड़के थे, जो माँओं, बीवियों या प्रेमिकाओं को पीछे छोड़ आए थे, घर से दूर और उन लोगों से दूर जिनसे वे प्यार करते थे, और मैंने तय किया कि उन्हें अपने तजुर्बे का एक सच्चा क्रिस्सा सुनाऊँगा — बदले में मुझे हर एक की प्रतिक्रिया मिलती, जिससे मैं उसके चरित्र और शख्सियत को नाप सकता। मेरा यह तरीक़ा उनमें से कोई नहीं जानता था।

मैंने उन्हें बताया कि 2021 में मैंने खुद को ब्राज़ील में एक छुट्टी की इजाज़त दी थी, नताल शहर में — वह जगह जो अपने रेत के टीलों और अपनी स्थानीय रस्मों के लिए जानी जाती है — जहाँ दिन के रात में ढलते ही टीले की

चोटी पर खड़ी लड़कियाँ उल्टे क़दमों नीचे उतरती थीं, नीचे बेखौफ़ इंतज़ार करते हर मर्द की ओर बढ़ती हुई, उससे जान-पहचान करने और नए रिश्ते बनाने के लिए, शायद अपने लिए एक भविष्य भी।

मैं उस शहर में चालीस दिन रहा — वह सचमुच मेरा ब्राज़िली क्वारंटीन था — पर मैंने उस खेल में कभी हिस्सा नहीं लिया। मैं दर्शक बना रहा, और देखता रहा।

आज मैं पहले से कहीं ज़्यादा सोचता हूँ कि ब्राज़ील को जानना मेरे कितने काम आया — जिलेट की महिला सीईओ के अप्रत्याशित आगमन के साथ भी — और अगर वे कभी मुझसे अपने वतन के बारे में पूछें, तो मैं उनसे कह सकूँगा:

टीलों की रस्म,

मैं उसे जानता हूँ,

पर मैंने कभी हिस्सा नहीं लिया,

क्योंकि मैं किसी को भविष्य नहीं देता,

सिर्फ़ वर्तमान।

उस शहर में जिस बात ने मुझ पर सबसे गहरा असर छोड़ा, वह थी रेक्टर की बेटी वाली कहानी, जिससे मैं इत्तफ़ाक़ से एक सोमवार की शाम सिंगल लोगों की एक पार्टी में मिला था।

मैं अपने तैयार किए हुए 100 कागज़ी कार्ड लेकर पहुँचा था, जिन पर मेरा नाम और एक ब्राज़िली फ़ोन नंबर था, और जिनकी मैंने वहाँ मौजूद औरतों से अदला-बदली की — उनसे जो मुझे पसंद आई, और जिन्होंने खुद को सिंगल, तलाक़शुदा या विधवा बताया। अगले दिन उनमें से चार मुझे सुपरमार्केट में मिलीं, पतियों और बच्चों के साथ ख़रीदारी करती हुई, और हमारे बीच शब्दों का कोई लेन-देन नहीं हुआ, सिर्फ़ ख़ामोश नज़रों का।

कामिल्ला, रेक्टर की बेटी, एक ख़ूबसूरत और बहा ले जाने वाली औरत थी। वही मुझे दोपहर दो बजे अपने घर ले गई और रात दस बजे बाहर निकलने दिया, और वहीं मेरी समझ में आया कि ऊपर वाले मेरे सहकर्मि ने मुझे सज़ा देनी चाही थी — मुझे यह समझाने के लिए कि एक औरत हज़ार मर्दों को हरा सकती है, पर हज़ार मर्द एक औरत को नहीं हरा सकते।

ब्योरों में जाए बिना, मैं उसे उसके फ़ौरन बाद एक इतालवी रेस्तराँ में खाने पर ले गया और सफ़ेद वाइन की दो बोतलें और 14 लॉबस्टर मँगवाए, सिर्फ़ उसके लिए। ब्राज़िली वेटर ने पूछा कि क्या मुझे थोड़ा ब्रुस्केत्ता चाहिए, पर थकान ने — या मेरे दगाबाज़ कानों ने — वह शब्द मुझे “बुस्सेत्ता” सुनवाया, और मैं तो पहले ही निढाल था और भाग निकलने को तैयार।

कमरे के सारे लड़के हँस रहे थे, जैसे सम्मोहित हों — वे अब भी अमेज़न के उस बारह पन्नों वाले संस्करण में अटके थे कि प्यार कैसे बेचा जाता है। मैं आगे कैसे बढ़ता, बिना यह जोखिम उठाए कि वे फट पड़ें?

मैंने बात समेटी और सोने चला गया।

अगली सुबह घर भर में हर कोई “ब्राज़ीली बुस्सेत्ता” और “बुस्सेत्तेरो” कहता फिर रहा था, जिसका कोलंबिया की स्पैनिश में मतलब होता है बस ड्राइवर — पर शब्दों के इस खेल ने फिर भी सबके चेहरे पर मुस्कान ला दी।

मैं 22 नवंबर 2025 को वहाँ से चला, और मेरे जाने का सबको अफ़सोस था — मेरे साथ मेरे बिस्तर में सोने वाले तिलचट्टे भी एक पल को उदास हुए, क्योंकि सिर्फ़ उसी घड़ी में, जब आप किसी के साथ खुश रहे हों और वह चला जाए, आप समझते हैं कि अब आपको क्या फिर कभी नहीं मिलेगा।

फर्दिनांदो